वानस्पतिक उद्यान एवं हर्बल उत्पाद केन्द्र का उद्घाटन

दिनांक 24.01.2023 को नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा वानस्पतिक उद्यान, हर्बल उद्यान, नवग्रह वाटिका, मशरूम उत्पादन प्रयोगशाला तथा हर्बल उत्पाद केन्द्र के उद्घाटन समारोह में भा0वा0अ0शि0प0–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज ने प्रतिभागिता की। विश्वविद्यालय को इन विषयों पर तकनीकी सहयोग प्रदान करने का केन्द्र से समझौता ज्ञापन है। केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह ने वानस्पतिक एवं औषधीय उद्यानों की जैवविविधता संरक्षण, जागरूकता निर्माण एवं अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तृत व्याख्यान दिया। मुख्य वक्ता प्रो0 एन0 बी0 सिंह, वनस्पति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने विभिन्न औषधीय पादप प्रजातियों के प्रयोग से विभिन्न असाध्य रोगों यथा कैंसर, डायबिटीज आदि के नियंत्रित कर उत्तम स्वास्थ्य प्राप्त किया जा सकता है। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 कुमुद दूबे ने विभिन्न उद्यानों के साथ ही हर्बल उद्यान को लगाने तथा इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने विभिन्न उद्यानों द्वारा पर्यावरण तथा स्वास्थ्य में होने वाले लाभों से अवगत कराया। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि पादप प्रकृति की सर्वश्रेष्ठ कृति है इससे मानव जीवन को मानवता के उत्थान हेतु शील व विनय के साथ उत्पादन बढ़ाने में किया जाना चाहिए। डा0 आदिनाथ द्वारा विषय संयोजन किया गया तथा डा0 प्रदीप उपाध्याय ने कार्यक्रम की प्रासंगिकता को बताया। डा0 शक्तिनाथ त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलसचिव आर0एल0 विश्वकर्मा द्वारा किया गया। डा0 धीरज पाण्डेय ने रिसर्च स्केल अपक्षेत्र की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। डा0 प्रबुद्ध मिश्रा ने अतिथि के रूप में उपस्थित वैज्ञानिकों के योगदान पर विस्तृत चर्चा की। इस प्रकार वनस्पति विज्ञान विभाग से स्टार्टअप योजना के तहत हर्बल उत्पाद में दालचीनी, सतावर, कालमेघ, सेना, मूसेंद्रा, आयु तुलसी, जरा तुलसी, आर्टीमीसिया, अश्वगंधा, सर्पगंधा, स्टीविया, पयरेथरूम, खस–खस, अर्जुन, हरड़, बहेड़ा, आंवला, गिलोय, गुड़मार, सिट्रस चाय, शिवलिंगी व कुचला के बीज, ताजी व सूखी पत्ती, छाल व जड़ की उचित दर पर प्राप्त कर सकते हैं, साथ ही पादप नर्सरी से सभी प्रकार के सजावटी पौधे उचित मूल्य पर हर्बल प्रोडक्ट सेंटर से निर्धारित राशि का भुगतान कर प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम के अन्त में छात्रों के प्रश्नोत्तरी की जिज्ञासा का निस्तारण किया गया। उद्घाटन समारोह में विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के विभिन्न विभागों से अधिकारी/कर्मचारी के साथ स्नातक/परास्नातक व शोध छात्र–छात्राएं आदि उपस्थित थे।

SOTHERN BLOTTING TECHNIQUE
MARIYAM KHAN
Double Fertilization
Saumya Mishra
Pratibha Chauhan
Plant Cell

SOTHERN BLOTTING TECHNIQUE
MARIYAM KHAN
CYCAS-CORALLOID ROOT AND STEM
Submitted By- Kajal Saroj
M.Sc 1st year 1st sem
Double Fertilization
Antipodals
Polar nuclei
Egg cell
Synergids
Release of sperm cells
Double fertilization
Zygote
Saumya Mishra
Pratibha Chauhan

HETEROCYST
SOTHERN BLOTTING TECHNIQUE
MARIYAM KHAN
Double Fertilization
Saumya Mishra
Prabisha Chauhan
SPORE OF ANTHOCEROS

MARIYAM KHAN
Double Fertilization
Saumya Mishra
Prabisha Chauhan
Plant Cell

GREEN HOUSE
DEPARTMENT OF BOTANY
→ HERBAL MEDICINE
→ ORNAMENTAL NURSERY
→ RESEARCH SCALE-UP AREA

GREEN HOUSE
DEPARTMENT OF BOTANY

हर्बल उत्पाद से असाध्य बीमारी को किया जा सकता है नियंत्रित

प्रो. एन. बी. सिंह

प्रयागराज। नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग की ओर से मंगलवार को वानस्पतिक उद्यान, हर्बल उद्यान, नवग्रह वाटिका, मशरूम उत्पादन प्रयोगशाला तथा हर्बल उत्पाद केंद्र के उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रो. एन. बी. सिंह ने विभिन्न औषधीय पादप प्रजातियों का बीमारियों के नियंत्रण हेतु जैसे कैंसर, डायबिटीज़ को रोककर उत्तम स्वास्थ्य प्राप्त हेतु उपयोगी बताया साथ ही पंचतत्वों की संज्ञा को मानव निहितार्थ सही प्रयोग हेतु सुझाव दिया। फॉरेस्ट रिसर्च सेंटर इको रिहैबिलिटेशन, प्रयागराज के प्रमुख डॉ संजय सिंह ने प्राकृतिक उत्पादों को उपयोगिता एवं मानव कार्यकी में सम्यक तादात्म्य हेतु उपयोगी बताया साथ ही गंगा क्षेत्र में विभिन्न

ग्रांट को प्राप्त करने पर अनुमोदन किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ कुमुद दुबे, व डॉ आलोक यादव, परीक्षा नियंत्रक डॉ राजेश तिवारी, डॉ0 आशीष शिवम, डॉ प्रबुद्ध मिश्रा ने भी कार्यक्रम में अपना वक्तव्य दिया। डॉ आदि नाथ ने विषय संयोजन किया तथा डॉ प्रदीप उपाध्याय ने कार्यक्रम की प्रासंगिकता को बताया। डा. शक्ति नाथ त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत तथा डॉ धीरज पांडेय ने रिसर्च स्केल क्षेत्र की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलसचिव आर. एल. विश्वकर्मा ने किया। कार्यक्रम में प्रो. विनोद पांडेय, डॉ अर्चना शुक्ला, डॉ सूक्रत सिन्हा, डॉ अमिताभ चन्द्र द्विवेदी, विजय कुमार, राजशेखर झा, रूबी रानी, डॉ किरन गुप्ता, तथा प्रयोग सहायक अंशुमान दुबे, मुन्नीलाल सहित स्नातक,परास्नातक, शोध के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

क्ष भूपेंद्र चौधरी